रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

वर्ष 13 | अंक 37 | कुल पृष्ठ : 8 | मूल्य - 2 रू.

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

इंदौर प्रति मंगलवार, 3 फरवरी 2026 से 9 फरवरी 2026 तक

2026 की GDP ग्रोथ में US से आगे निकला भारत

एलन मस्क बोले- 'बदल रहा पावर बैलेंस'; निर्मला सीतारमण क्या बोलीं?

31 जनवरी को वर्ल्ड ऑफ स्टेटिक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया गया। इस पोस्ट में इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (IMF) को क्रेडिट देते हुए जारी की गई एक रिपोर्ट थी, जिसमें बताया गया कि ग्लोबल इकोनॉमिक ग्रोथ (GDP Growth) में भारत, अमेरिका से आगे निकल गया है। टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने वर्ल्ड ऑफ स्टेटिक्स की पोस्ट को री-शेयर किया और लिखा, 'सत्ता का संतुलन बदल रहा है।'

अमेरिका से आगे निकला भारत

IMF की रिपोर्ट में 2026 में ग्लोबल इकोनॉमिक ग्रोथ में योगदान के मामले में भारत को अमेरिका से आगे

बताया गया है। दुनिया भर में होने वाले अनुमानित विस्तार में भारत का हिस्सा 17% है, जबकि अमेरिका 9.9% पर है। आईएमएफ की जारी की गई रिपोर्ट में चीन सबसे आगे है। 2026 में चीन की जीडीपी ग्रोथ 26.6% बताई गई है, जिसका मतलब है कि ये दोनों एशियाई अर्थव्यवस्थाएं मिलकर अब ग्लोबल GDP ग्रोथ का 43.6% हिस्सा चला रही हैं। एलन मस्क भारत की तरक्की पर करीब से नजर रख रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दो बार मिल चुके हैं और भारत में अपनी कंपनी के लिए बेहतर जगह की तलाश कर रहे हैं।

निर्मला सीतारमण ने दोहराई मस्क की बात

बजट 2026 पर यूथ डायलॉग में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एलन मस्क के पोस्ट को लेकर अपनी बात रखी। वित्त मंत्री ने कहा, 'एलन मस्क IMF के डाटा का हवाला देते हुए कहते हैं 'वाह, क्या यह सच है।' निर्मला सीतारमण ने आगे कहा, 'ग्लोबल GDP ग्रोथ में चीन का योगदान 26% है। भारत का योगदान 17% है। कुल मिलाकर, ग्लोबल GDP ग्रोथ का 43% इन दोनों इकोनॉमी से आता है।

CM डॉ. मोहन वडोदरा में महंत स्वामी महाराज के 92वें जन्मजयंती महोत्सव में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को गुजरात के वडोदरा में पूज्य महंत स्वामी महाराज की 92वीं जन्म वर्षगांठ पर उनके दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त कर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महंत स्वामी महाराज के 92वें जन्म जयंती महोत्सव में 15 हजार 666 बच्चों को एक साथ स्वामी जी द्वारा रचित 'सत्संग दीक्षा' ग्रंथ के 315 श्लोकों का पाठ किए जाने को एक उपलब्धि बताया। इस गतिविधि का नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बना है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुजरात की धरती भारत सहित अनेक राष्ट्रों में धर्म, आध्यात्म, सनातनी

परम्परा, मानव कल्याण और सेवा मूल्यों को चेतना से जोड़ने का कार्य कर रही है। इस धरा से कभी महात्मा गांधी और सरदार पटेल जैसी विभूतियों ने राष्ट्र को योगदान दिया, वहीं अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस परम्परा को आगे बढ़ा रहे हैं।

2026: बजट में आम आदमी को क्या मिला तोहफा

किसान को प्रोत्साहन के उपाय

- 500 जलाशयों और अमृत सरोवरों के एकीकृत विकास की पहल से मत्स्य पालन क्षेत्र को सुदृढ़ करना।
- पशुपालन क्षेत्र में उद्यमशीलता विकास से रोजगार अवसर प्रदान करना।
- नारियल प्रोत्साहन योजना उत्पादन को बढ़ाएगी और 1 करोड़ किसानों समेत 3 करोड़ लोगों को सहायता प्रदान करेगी।
- भारतीय काजू और भारतीय कोको को 2030 तक प्रीमियम ग्लोबल ब्राण्ड बनाना।
- बहु भाषीय एआई टूल किसानों की उत्पादकता को बढ़ाएगा और विशिष्ट सलाह प्रदान करके किसानों को बेहतर निर्णय लेने और जोखिम को कम करने में मदद करेगा।

शिक्षा संस्थानों में कंटेंट क्रिएटर लैब

देश को सोशल मीडिया प्रोफेशनल्स की जरूरत है। उन्होंने बताया कि यह एक बढ़ती हुई इंडस्ट्री है और 2030 तक देश को ऐसे 20 लाख प्रोफेशनल्स चाहिए। वित्त मंत्री ने इसे ध्यान में रखते हुए एक नई स्कीम का ऐलान किया है जिसके तहत 15000 माध्यमिक स्कूलों में कॉन्टेंट क्रिएटर्स तैयार करने के लिए लैब्स बनाई जाएंगी। यह काम इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी की देखरेख में किया जाएगा जिसे सरकार सीधे समर्थन देगी। स्कूलों और कॉलेजों में कॉन्टेंट क्रिएटर लैब्स तैयार होंगी। इससे युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और भारत 'कॉन्टेंट हब' के रूप में स्थापित होगा। सोशल मीडिया आज सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि एक उभरती हुई इंडस्ट्री है जिसमें डेटा एनालिटिक्स, ग्राफिक डिजाइनिंग और डिजिटल मार्केटिंग जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। उल्लेखनी है कि कंटेंट क्रियेटर को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार पहले ही कदम उठा चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी देश में काम कर रहे क्रियेटर से मिल चुके हैं।

इन बड़े क्षेत्रों पर रहेगा सरकार का फोकस

रणनीतिक मैन्युफैक्चरिंग- नए और जरूरी क्षेत्रों में उत्पादन की क्षमता बढ़ाना।
पुराने उद्योग- पुराने पड़ चुके औद्योगिक क्षेत्रों को दोबारा जीवित करना।
छोटे उद्योग - छोटे और मध्यम उद्योगों को ग्लोबल चैंपियन बनाना।
इंफ्रास्ट्रक्चर- सड़कों, रेलवे और अन्य बुनियादी ढांचे को जबरदस्त मजबूती देना।
सुरक्षा और स्थिरता- देश में लंबी अवधि की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना।
शहरों का विकास- शहरों को व्यापार और आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करना।
केमिकल्स और कैपिटल गुड्स: आयात पर निर्भरता कम करने के लिए केमिकल सेक्टर में तीन विशेष केमिकल पार्क स्थापित किए जाएंगे। ये पार्क क्लस्टर आधारित मॉडल पर विकसित किए जाएंगे, जिससे उत्पादन लागत घटेगी और प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।
बायोफार्मा शक्ति: स्वास्थ्य क्षेत्र में मैन्युफैक्चरिंग को नई दिशा देने के लिए वित्त मंत्री ने 'बायोफार्मा शक्ति' योजना की घोषणा की. इस योजना के तहत अगले पांच वर्षों में 10,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

BCM
Kokilaben Dhirubhai Ambani hospital
INDORE
Every Life M

बेहतर स्वास्थ्य के लिए
समर्पित सेवा के
सफलतम 3 वर्ष

इंदौर, आपके द्वारा हम पर किए गए विश्वास के लिए धन्यवाद।

आपके सहयोग से हेल्थकेयर में हम सफलतापूर्वक
3 वर्ष पूर्ण कर चुके हैं और मना रहे हैं अपना

स्थापना दिवस

शनिवार, 31 जनवरी 2026

मुख्य अतिथि :
श्री शैलेश लोढ़ा
अंतरराष्ट्रीय कवि एवं अभिनेता

प्रवेश केवल आमंत्रण द्वारा

चिकित्सा सेवाओं में नए आयाम :

- 1,00,000+ लोगों के जीवन को छुआ, विश्वास के साथ
- स्थानीय चिकित्सा समुदाय के 10,000+ सदस्यों के साथ मिलकर निरंतर आगे बढ़े
- कम्युनिटी आउटरीच के माध्यम से हॉस्पिटल की सीमाओं से बाहर 55,000+ लोगों तक पहुँचे
- अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उत्कृष्ट परिणामों के साथ कई जटिल सर्जरी एवं प्रक्रियाओं का सफल संचालन किया

नं. 1, बीसीएम एस्टेट, श्री बादलचंद मेहता मार्ग, निपानिया, इंदौर
/KDAHIndore /KDAHIndore /KDAH.Indore indore.kokilabenhospital.com

ग्राम पंचायत शिहांशा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

रणजीत टाइम्स

आदित्य शर्मा

ग्राम पंचायत शिहांशा में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस बड़े हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ हुई।

इसके पश्चात राष्ट्रगान गाया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सरपंच नारायण चौहान, उप सरपंच अर्जुन भीम सिंह राठौड़, जनपद सदस्य मुकेश यादव, जिला पंचायत सदस्य दिलीप जी पटेल, सचिव प्रह्लाद जी नील सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। साथ ही रामनिवास जी, महेश जी चौहान, भारत शुक्ला जी, पप्पू जी, जीवन जी एवं समस्त ग्राम पंचायत की जनता ने कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा देशभक्ति गीतों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्होंने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर

दिया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में संविधान की गरिमा, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में मिष्ठान वितरण किया गया। पूरे आयोजन के दौरान ग्राम पंचायत शिहांशा में देशभक्ति एवं उत्साह का वातावरण बना रहा।

इंदौर में भूमि समाहितकरण संबंधी कलेक्टर के आदेश पर स्थगन की खबर तथ्यहीन

अपर आयुक्त न्यायालय द्वारा कलेक्टर के आदेश पर नहीं जारी किया गया कोई स्थगन

रणजीत टाइम्स

इंदौर कतिपय समाचार-पत्रों द्वारा इस प्रकार का समाचार प्रसारित किया गया है कि कस्बा इंदौर में स्थित सर्वे नंबर 407/1669/3 रकबा 1.702 हेक्टेयर भूमि क्रिश्चियन मिशनरी को शासन हित में समाहित करने का जो आदेश कलेक्टर जिला इंदौर द्वारा दिनांक 12.01.2026 को दिया गया है, उस पर अपर आयुक्त, न्यायालय, इंदौर द्वारा स्थगन जारी किया गया है। जबकि वास्तविकता यह है कि इस आदेश पर ऐसा कोई स्थगन अपर आयुक्त, न्यायालय द्वारा जारी नहीं किया गया है। यहां तक कि इस आदेश के विरूद्ध कोई अपील तक अपर आयुक्त, न्यायालय में प्रचलन में नहीं है। कलेक्टर जिला इंदौर ने अपने आदेश दिनांक 26.12.2025 से इस प्रकरण में प्रतिपरीक्षण हेतु दी गई अनुमति को अस्वीकार करने का आदेश दिया था, जिस पर एक निगरानी प्रकरण अपर आयुक्त, न्यायालय में प्रचलित था। जिसमें सिर्फ प्रतिपरीक्षण के बिंदु पर अनुमति अस्वीकार करने के कलेक्टर जिला इंदौर के आदेश पर स्थगन जारी किया गया था। कलेक्टर द्वारा दिनांक 12.01.2026 को आदेश पारित करते हुए इस भूमि को शासन हित में समाहित करने का आदेश दिया गया। इस आदेश की जानकारी अपर आयुक्त, न्यायालय को दिनांक 27.01.2026 को प्राप्त हुई। कलेक्टर द्वारा प्रकरण का अंतिम रूप से निराकरण किया जा चुका था, अतः यह तथ्य संज्ञान में आने पर अपर आयुक्त, न्यायालय, इंदौर में प्रचलित निगरानी प्रकरण को समाप्त किया जा चुका है। चूंकि कलेक्टर द्वारा जारी आदेश दिनांक 12.01.2026 पर कोई प्रकरण प्रचलित ही नहीं था, इसलिये इन भूमियों को शासन हित में समाहित किये जाने के आदेश पर कोई स्थगन आदि जारी करने का सवाल ही पैदा नहीं होता। इस प्रकार इस प्रकरण में कलेक्टर जिला इंदौर के आदेश दिनांक 12.01.2026 पर कोई स्थगन न तो पूर्व में था और न ही वर्तमान मेंहै। दिनांक 12.01.2026 को कलेक्टर द्वारा प्रकरण का अंतिम रूप से निराकरण कर देने पर अपर आयुक्त न्यायालय में प्रचलित निगरानी प्रकरण समाप्त कर दिया गया।

मरीज़ के लिए काल बना सोहम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

गलत इंजेक्शन लगाने से युवक की मौत

ऐसे हॉस्पिटल और डॉक्टरों पर कब लगेगी लगाम?

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर :- मध्यप्रदेश के ग्वालियर जिले में डॉक्टर की वजह से एक युवक की जान चली गई। दरअसल, डॉक्टर ने उसे इंजेक्शन लगाया था, जिसके बाद उसकी तबियत बिगड़ने लगी। और डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। ग्वालियर में सोहम हॉस्पिटल में डॉक्टर की वजह से एक युवक की जान चली गई। डॉक्टर के द्वारा तीन इंजेक्शन लगाने पर उसकी हालत बिगड़ गई और उसके बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना ठाठीपुर थानांतर्गत मयूर मार्केट सोहम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की है आक्रोशित परिजनों ने मृतक के शव को सड़क पर रखकर नारेबाजी शुरू कर दी थी । डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई करने की मांग की। वहीं, पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे अधिकारियों ने डॉक्टर के खिलाफ जांच कर दोषी पाए जाने पर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। दरसअल, भितरवार थाना अंतर्गत ग्राम मस्तूरा में रहने वाले 60 साल के हरविलास जाटव के पेट में रविवार शाम को अचानक से दर्द हुआ तो परिजन उसे लेकर ग्वालियर मयूर मार्केट स्थित सोहम हॉस्पिटल पहुंचे, जहां डॉक्टर के द्वारा दवाई देते हुए तीन इंजेक्शन युवक को लगा दिए उसके बाद अचानक और ज्यादा तबियत बिगड़ने लगी डॉक्टर ने उसकी नब्ज टटोलते ही उसे मृत घोषित कर दिया, जिसके बाद परिजनों में चीख पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को

पोस्टमॉर्टम हाउस भेज दिया। पोस्टमॉर्टम कराने के बाद आक्रोशित परिजन शव को लेकर सोहम हॉस्पिटल के बाहर नारेबाजी करने लगे जहां उन्होंने शव को सड़क पर रखकर परिवार और रिश्तेदारों ने मिलकर नारेबाजी करते हुए अस्पताल के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग करने लगे खबर लगते ही पुलिस फोर्स और अधिकारी मौके पर पहुंचे। मृतक के परिजनों का आरोप था कि डॉक्टर के द्वारा लापरवाही से इलाज कर उसे गलत इंजेक्शन लगाए गए, जिससे उसकी मौत हुई है।

हॉस्पिटल को सील कर, दोषी डॉक्टर को गिरफ्तार किया जाए

वहीं, परिजन डॉक्टर की गिरफ्तारी को लेकर अड़े रहे। और कहा कि ऐसे हॉस्पिटल को पूर्णता बंद कर को पूर्णता बंद कर देना चाहिए जो मरीजों के लिए काल बने , कई घंटे चले इस नारेबाजी के बाद पुलिस ने मर्ग कायम किया और मृतक के परिजनों के बयान के आधार पर जांच कर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद परिजन मान गए और डेड बॉडी को लेकर अपने ग्राम रवाना हो गए । फिलहाल, पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और अपनी जांच शुरू कर दी है और सीएमएचओ को जानकारी देकर उसके द्वारा किए जा रहे गलत इलाज की जांच पड़ताल कर कार्रवाई करने की बात कही है।

इनका कहना है

परिजनों के कहने पर मर्ग कायम कर दिया है हर एंगल से पुलिस जांच कर रही है तुलसी डॉक्टर पर उचित कार्रवाई की दोषी :- अतुल सोनी (सीएसपी, ग्वालियर)

मरीज के भर्ती वाली फाइल जमा कर ली है, जांच की जा रही है गलत पाए जाने पर हॉस्पिटल को सील किया जाएगा :- (डॉ सचिन श्रीवास्तव, सीएमएचओ ग्वालियर)

हमारे द्वारा कोई गलत इलाज नहीं किया गया है मरीज का पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर क्लियर हो जाएगा :- डॉ मनीष श्रीवास्तव, संचालक , सोहम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल)

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

इंदौर प्रति मंगलवार, 3 फरवरी 2026 से 9 फरवरी 2026 तक

UGC 2026: समानता के नाम पर कहीं असमानता तो नहीं?

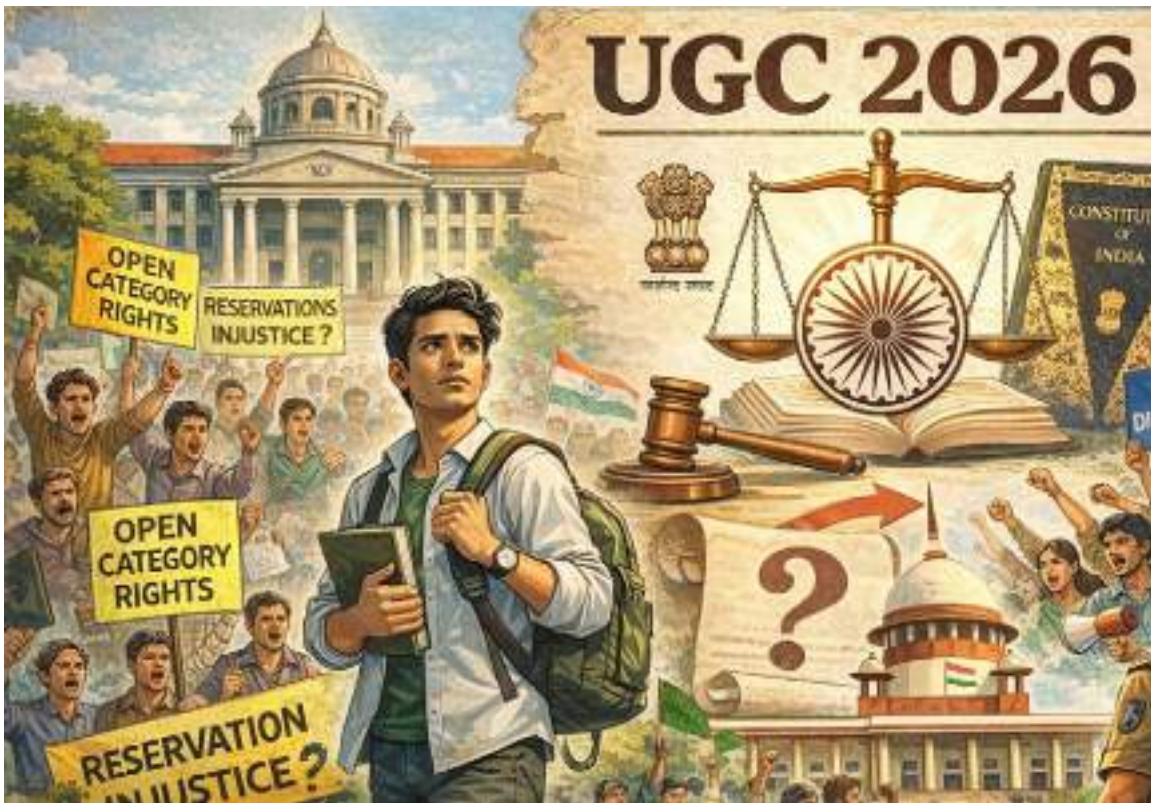

भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी, न्यायसंगत और भेदभाव-मुक्त बनाने के उद्देश्य से UGC ने वर्ष 2026 में नए "Equity Regulations" लागू किए हैं। इन नियमों का उद्देश्य सभी वर्गों को समान अवसर देना बताया गया है, लेकिन इसके लागू होते ही देशभर में एक नई बहस शुरू हो गई है-विशेषकर Open / General Category को लेकर।

UGC 2026 का मूल उद्देश्य-
UGC 2026 के नियमों के तहत हर विश्वविद्यालय और कॉलेज में: Equal Opportunity Centre (EOC) Equity Committee एवं Equity Squad, भेदभाव से जुड़ी शिकायतों का त्वरित निवारण तंत्र अनिवार्य किया गया है।
कागज़ पर यह व्यवस्था सराहनीय दिखती है, लेकिन व्यवहार में इसके दुरुपयोग की आशंका भी सामने आ रही है।

Open Category की सबसे बड़ी चिंता, आज कई शिक्षण संस्थानों में यह सवाल उठ रहा है कि:-अगर किसी Open / General Category छात्र या शिक्षक पर भेदभाव का आरोप लगा दिया जाए, तो क्या वह स्वतः दोषी मान लिया जाएगा?

कई मामलों में देखा गया है कि: आरोप एकतरफा शिकायत के आधार पर दर्ज हो जाते हैं, सामाजिक दबाव में संस्थाएं तुरंत कार्रवाई कर देती हैं, आरोपी को अपना पक्ष रखने का पूरा मौका नहीं मिलता
यही कारण है कि Open Category के छात्रों और शिक्षकों में डर और असुरक्षा का माहौल बन रहा है।

महत्वपूर्ण सवाल: अगर Open Category पर आरोप लगे, तो अपील कहाँ करें?, UGC 2026 के अंतर्गत आरोपी को भी कानूनी अधिकार दिए गए हैं, जिन्हें जानना बेहद ज़रूरी है:

1 संस्थान स्तर पर अपील
सबसे पहले: कॉलेज / यूनिवर्सिटी की Equity Committee Equal Opportunity Centre (EOC) के सामने लिखित जवाब और साक्ष्य प्रस्तुत किए जा सकते हैं। यहाँ Natural Justice (सुनवाई का अधिकार) लागू होता है।

2 UGC Grievance Redressal Portal यदि संस्थान निष्पक्ष सुनवाई नहीं करता, तो: सीधे UGC की Grievance Redressal Cell में शिकायत दर्ज की जा सकती है ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से मामला UGC तक पहुँचता है UGC को अधिकार है कि वह: संस्थान से जवाब मांगे गलत कार्रवाई को निरस्त करे
जांच समिति गठित करे

3 State / National Education Authority राज्य विश्वविद्यालयों के मामलों में: राज्य उच्च शिक्षा विभाग राज्यपाल (Chancellor) कार्यालय के समक्ष भी अपील की जा सकती है।

4 न्यायालय का रास्ता (सबसे मजबूत अधिकार)
यदि: सुनवाई पक्षपातपूर्ण हो, बिना प्रमाण दंड दिया जाए
प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचे, तो Open Category का व्यक्ति: हाई कोर्ट और आवश्यकता पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट, में रिट पिटीशन (Article 226 / 32) दायर कर सकता है। भारतीय संविधान सभी नागरिकों को बराबर न्याय का अधिकार देता है—चाहे वह किसी भी वर्ग से हो। संतुलन ज़रूरी है

यह सच है कि: भेदभाव रोकना ज़रूरी है, कमजोर वर्गों को सुरक्षा मिलनी चाहिए, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि: बिना जांच, बिना सुनवाई, सिर्फ आरोप के आधार पर किसी को दोषी ठहराना भी अन्याय है।

UGC 2026 को सुरक्षा कवच बनना चाहिए, हथियार नहीं।
निष्कर्ष UGC 2026 एक अच्छी मंशा से लाया गया कानून है, लेकिन इसके निष्पक्ष और संतुलित क्रियान्वयन के बिना यह समाज को जोड़ने की बजाय बाँट सकता है। Open Category हो या Reserved Category-कानून सबके लिए समान होना चाहिए,
और न्याय बिना डर के मिलना चाहिए।

संपादकीय | गोपाल गावंडे
रणजीत टाइम्स

घोर कलयुग: कलयुगी पोते ने बुढ़ापे की लाठी तोड़ी, विकलांग दादा-दादी को घर से निकाल कर

सह संपादक दीपक वाड़ेकर

1200 Sq Ft के मकान पर किया अवैध कब्जा!

इंदौर, मध्य प्रदेश कहते हैं कि पोता दादा-दादी की आंखों का तारा होता है, लेकिन इंदौर के भागीरथपुरा में एक पोते ने लालच में आकर रिश्तों का कत्ल कर दिया है। यहाँ एक विकलांग बुजुर्ग दंपत्ति को उनके ही अपने घर से बेदखल कर, उनकी जीवनभर की पूंजी पर कब्जा जमा लिया गया है।

क्या है पूरा मामला?

भागीरथपुरा के निवासी मदनलाल धाकड़ और उनकी पत्नी कुसुम धाकड़, जो शारीरिक रूप से विकलांग हैं, आज दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं। पीड़ित बुजुर्गों के अनुसार, उनके अपने बेटे पीयूष धाकड़, बहू शारदा धाकड़ और पोते मोहित धाकड़ ने मिलकर उनके साथ यह क्रूरता की है।

धोखे और दादागिरी की दास्तान

मकान पर कब्जा: मदनलाल जी के नाम पर रजिस्टर्ड 1200 स्क्वायर फीट का मकान, जिसे उन्होंने खून-पसीने की कमाई से बनाया था, उस पर पोते मोहित ने नियत खराब कर ली।
गाली-गलौज और बेदखली: करीब 3 साल पहले, मोहित ने अपने बुजुर्ग और लाचार दादा-दादी को गाली-गलौज कर और अपमानित कर घर से बाहर निकाल दिया।

जेवरात और चाबियां हड़पीं: घर तो छीन ही लिया, साथ ही मकान की ओरिजिनल रजिस्ट्री और बैंक लॉकर की चाबियां भी पोते ने अपने पास रख ली हैं। लॉकर में बुजुर्ग दंपत्ति के जीवनभर की मेहनत से बनाए सोने-चांदी के जेवरात रखे हैं।

जान से मारने की धमकी

जब दादा-दादी ने अपना हक मांगा, तो पोते ने उन्हें जान से मारने की धमकी तक दे डाली। "जिस पोते को गोद में खिलाया, उसी ने आज हमें छत के लिए मोहताज कर दिया। हमारे पास न घर बचा है, न गहने, बस जान बचाने का खौफ है।"
- पीड़ित मदनलाल धाकड

प्रशासन से न्याय की गुहार

आज यह विकलांग बुजुर्ग दंपत्ति न्याय के लिए गुहार लगा रहा है। सवाल यह उठता है कि क्या इंदौर प्रशासन और पुलिस इन बुजुर्गों को उनका हक वापस दिला पाएगी? क्या कलयुगी पोते के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी?

प्रदर्शन से परे यथार्थ में जीना सिखाता है सहज योग

यह समय एक ऐसा समय है जब ज्यादातर लोग स्वयं को सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने की दौड़ में शामिल हैं। बच्चे पैदा होने से, जन्मदिन, विवाह और मृत्यू तक सभी यह प्रयास करते हैं कि आयोजन बढिया हो, कहीं कोई कमी किसी को नज़र ना आये। प्रदर्शनकारी व्यक्ति अपने सभी आयोजनों को अपनी नजरों से ना देखकर दूसरों की नजरों से देखता है।

यहाँ हम स्वयं से इस तरह दूर होने लगते हैं कि हमें इसका आभास भी नहीं होता। खुशी और गम हमारे अपने हैं, उसके उद्गार में किसी दिखावे की आवश्यकता नहीं है। हर व्यक्ति की अपनी एक कार्यक्षमता या सीमा होती है, अपनी क्षमता के अनुसार जितना प्राप्त होता है उतने में खुश होना श्रेयकर है। इसके विपरीत जब इंसान अपनी काबिलियत बढ़ाने में सक्षम नहीं होता है, तो दिखावा करना शुरू कर देता है। यह साबित करने के लिए कि वह किसी से कम नहीं है परंतु यह

दिखावा हमें खुशी और संतुष्टि नहीं दे सकता। हम जैसे हैं वैसे ही रहना है क्योंकि अपनी हैसियत के हिसाब से आयोजन करना हमें आत्मसंतुष्टि देगा। जबकि दिखावे के लिए किया गया हर प्रयोजन अंहकार को जन्म देगा।

परंतु परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी प्रणीत सहज योग में हमारा मन परिवर्तन होता है व हम इतने अधिक सहज व संतुष्ट हो जाते हैं कि हम जैसे हैं वैसे ही रहने में सुख महसूस करते हैं। सहज ध्यान हमें स्वंय को देखना सिखाता है, हमारे चक्रों को चैतन्य से पोषित कर हमारे गुणों से हमारा आत्मसाक्षात्कार करवाता है। सहज योग में ऐसे सच्चे और ईमानदार व्यक्ति हैं जो जैसा बोलते हैं वैसा ही करते हैं। उनमें दिखावा नहीं के बराबर होता है। ऐसे व्यक्ति देश के लिए भी आशीर्वाद हैं। वास्तव में आनंद का कोई मोल नहीं होता। आनंद बांटने के लिए सिर्फ आनंदित होना ही काफी है। हम आनंद में रहेंगे तो हमारे साथ वाले भी आनंदित ही होंगे। सहज योग से आत्मा का जो सुख मिलता है वह हर सुख से परे है। श्री माताजी कहती हैं 'आत्मेनव आत्मनः संतुष्ट' यानि आत्मा से ही आत्मा तुष्ट हो जाती है वैसे ही जैसे अमृतपान के बाद फिर किसी और चीज की जरुरत नहीं होती। जब हम परमात्मा के साम्राज्य के अंग हो जाते हैं तब हम अपने सुख व शांति के लिए परमात्मा के आशीर्वाद के पात्र हो जाते हैं। दिनाकं 24 नवंबर 1980 के अपने एक प्रवचन में परम पूज्य श्री माताजी ने कहा, 'सहज योग एक ऐसी चीज़ है जो आपकी वास्तविकता को आपके भीतर स्थापित करती है, जिससे आप सुरक्षित महसूस करते हैं क्योंकि आपकी वास्तविकता सुंदर है। यह आनंद है और फिर आप इससे भागना नहीं चाहते। यही हमें समझना है, कि हम अपनी वास्तविकता को प्राप्त करने, खुद को जानने के लिए यहाँ हैं।' श्री माताजी की बातों को आत्मसात करने हेतु चलिये सहज योग ध्यान से जुड़ते हैं। आप आत्मसाक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है।

संगठन मंत्री नियुक्त किए जाने पर समाजजनों एवं संगठन पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दीं

इंदौर। गौर बंजारा दल, मध्यप्रदेश द्वारा इंदौर महानगर निवासी श्री दीपक गोविंद चौहान को गौर बंजारा दल एवं गौर बंजारा युवा दल, इंदौर का संगठन मंत्री नियुक्त किए जाने पर समाजजनों एवं संगठन पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि श्री चौहान लंबे समय से समाजसेवा एवं संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। उनके अनुभव एवं कार्यकुशलता से संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि वे संगठन के विस्तार, युवाओं को संगठन से जोड़ने तथा समाजहित के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नव-नियुक्त संगठन मंत्री श्री दीपक गोविंद चौहान को उनके उज्ज्वल, सफल एवं प्रभावशाली कार्यकाल के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित की गईं।

इंदौर पुलिस द्वारा यातायात जागरूकता पैदल रैली एवं स्कूल/कॉलेज में ट्रैफिक पाठशाला आयोजित कर किया गया, राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 का समापन

आदित्य शर्मा

इंदौर- शहर में सुगम, सुरक्षित व सुखद यातायात हेतु, आम नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से, पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में अति. पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त, यातायात प्रबंधन, नगरीय इंदौर श्री आनंद कलादगी के मार्गदर्शन में यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह–2026 के अंतर्गत दिनांक 1 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक इंदौर शहर में सड़क सुरक्षा जागरूकता को लेकर व्यापक स्तर पर अभियान चलाया गया। जिसमे यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा सड़क हादसों में कमी लाने व आम जनमानस में यातायात व सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जनजागृति के लिए नित नए प्रयास कर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस माह के दौरान यातायात पुलिस द्वारा कुल 54 से ज्यादा जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से लगभग 28,000 प्रत्यक्ष लाभार्थियों अप्रत्यक्ष रूप से लाखों लोगों तक सड़क सुरक्षा एवं जीवन रक्षा का संदेश पहुँचाया गया। उक्त राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का समापन पुलिस कमिश्नर इंदौर की अगुवाई में किया गया। जिसके तहत आज डेली कॉलेज इंदौर में आयोजित ट्रेफिक अवेयरनेस कार्यशाला में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा स्टूडेंट्स को सुरक्षित यातायात हेतु सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक करते हुए हमेशा रेड लाइट का पालन, हेलमेट व सीटबेल्ट लगाने, नियंत्रित गति से वाहन चलाने जैसे बेसिक नियमों का स्वयं के साथ साथ अपने परिजनों को भी पालन करने के लिए प्रेरित करने की समझाईश दी गई और बताया इंदौर पुलिस के समन्वित प्रयासों से विगत पूर्व के वर्षों से गतवर्ष दुर्घटनाओं और इनमें मृत्यु की घटनाओं में कमी आई है, जिसे हम सभी के प्रयासों से इसे बिल्कुल नगण्य किया जा सकता है, इसलिए अपनी व दूसरों की सुरक्षा के लिए हमेशा सड़क सुरक्षा नियमों का ध्यान रखें। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त यातायात इंदौर श्री आनंद कलादगी सहित ट्रैफिक

के अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शहर में सुरक्षित एवं सुगम यातायात हेतु इंदौर पुलिस प्रतिबद्ध व प्रयासरत है जिसके तहत ही सुरक्षा माह में यातायात पुलिस द्वारा आमजन को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने हेतु निम्न प्रयास किये गए- स्कूल-कॉलेज एवं विभिन्न संस्थानों में "ट्रैफिक की पाठशाला", ट्रैफिक पार्क भ्रमण,नुक्कड़ नाटक तथा सांप-सीढ़ी जैसे रोचक खेलों के माध्यम से बच्चों एवं युवाओं को सरल एवं प्रभावी ढंग से यातायात नियमों की जानकारी दी गई।

यातायात रथ एवं डिजिटल रथ के माध्यम से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर फोटो-वीडियो प्रेजेंटेशन, सड़क सुरक्षा गीत, रोड सेफ्टी फिल्म आदि के द्वारा नागरिकों को यातायात नियमों के पालन हेतु प्रेरित किया गया।

वाहन चालकों का निःशुल्क नेत्र परीक्षण, महिला स्कूटर रैली, बाइक रैली, पैदल रैली कार्यक्रमों का आयोजन कर सड़क सुरक्षा के संदेश को जन-जन तक पहुँचाया गया।

वाहन चालकों को हेलमेट के प्रति लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसके लिए जरूरतमंदों चालको के लिए हेलमेट वितरण कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। जो वाहन चालक जिम्मेदारी पूर्वक नियमों का पालन कर रहे थे उन्हें उपहार प्रदान कर प्रोत्साहित भी किया गया। शहर के जिम्मेदार नागरिक भी सड़क सुरक्षा जागरूकता में अपना योगदान दे, इसलिए ट्रैफिक प्रहरी अभियान से 2970 लोग जुड़कर अपनी सेवाएं भी दे रहे हैं। गणतंत्र दिवस के अवसर पर विशेष रूप से सड़क सुरक्षा झांकी निकाली गई, जिसके माध्यम से हजारों नागरिकों को "सड़क सुरक्षा – जीवन रक्षा" के महत्व से अवगत कराया गया।

वहीं दूसरी ओर जागरूकता के साथ ही शहर के प्रमुख चौराहों पर सख्त यातायात कार्रवाई के साथ-साथ अनाउंसमेंट के माध्यम से समझाइश कर नागरिकों को नियमों के पालन हेतु प्रेरित किया जा रहा है। सड़क सुरक्षा माह के समापन पर आज दिनांक को सड़क सुरक्षा–जीवन रक्षा के उद्देश्य से एक भव्य सड़क सुरक्षा जागरूकता पैदल रैली का आयोजन भी किया गया। इस रैली में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ, ट्रैफिक प्रहरी, जिम्मेदार नागरिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने शामिल होकर अपने हाथों में सड़क सुरक्षा से संबंधित संदेशों वाली तख्तियाँ लेकर आमजन एवं वाहन चालकों से यातायात नियमों के पालन की अपील की।

इस जागरूकता पैदल रैली को पुलिस उपायुक्त, यातायात प्रबंधन श्री आनंद कलादगी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। और कहा कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी भी है। यदि सभी लोग यातायात नियमों का पालन करें तो सड़क दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है और अनमोल जीवन की रक्षा संभव है। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान किए गए इन सतत प्रयासों से लाखों नागरिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हुए हैं, तथा शहर में सुरक्षित, सुगम एवं अनुशासित यातायात व्यवस्था की दिशा में एक सकारात्मक संदेश गया है।इंदौर यातायात पुलिस द्वारा भविष्य में भी सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु ऐसे जागरूकता अभियानों को निरंतर जारी रखा जाएगा।

DLF गार्डन सिटी Phase-2B: 'लक्ज़री टाउनशिप' में नियमों की अनदेखी, सुरक्षा और स्वास्थ्य पर उठे गंभीर सवाल

सह संपादक दीपक वाड़ेकर

इंदौर। इंदौर के पास स्थित प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट DLF गार्डन सिटी (Phase-2B) इन दिनों अपनी बदहाल व्यवस्थाओं और सुरक्षा मानकों में भारी चूक को लेकर चर्चा में है। टाउनशिप के निवासियों ने मैनेजमेंट की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। निवासियों का आरोप है कि बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने में प्रबंधन विफल साबित हो रहा है। सुरक्षा मानकों का उल्लंघनः बिना नंबर की गाड़ियां बनीं खतरा? टाउनशिप के अंदर कचरा कलेक्शन में उपयोग की जा रही गाड़ियों पर रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट का न होना चर्चा का विषय बना हुआ है। मोटर वाहन अधिनियम के तहत बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाना कानूनी अपराध है। चिंता का विषयः निवासियों का तर्क है कि यदि इन वाहनों से कोई अप्रिय घटना या दुर्घटना होती है, तो उनकी पहचान और कानूनी

जवाबदेही कैसे तय होगी?

क्या टाउनशिप मैनेजमेंट ने इन वाहनों के परिचालन के लिए संबंधित विभाग से अनुमति ली है?

»» **सीवेज और स्वच्छताः** दावों और जमीनी हकीकत में अंतर निवासियों द्वारा साझा की गई तस्वीरों और शिकायतों के अनुसार, टाउनशिप में सीवेज प्रबंधन (STP) की स्थिति संतोषजनक नहीं है।

»» **जलभरावः** ड्रेनेज़ के गंदे पानी का रिसाव होने से संक्रमण फैलने का डर बना हुआ है।

»» **STP की कार्यक्षमताः** नविासियों ने सवाल उठाया है कि क्या स्वीकृत मानचित्र के अनुसार सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट पूरी क्षमता से कार्य कर रहा है?

»» **पेयजल संकटः** ओवरहेड टैंक जैसी बुनियादी संरचना के अभाव में पानी की नियमित सप्लाई को लेकर भी असंतोष बढ़ रहा है।

मैनेजमेंट की चुप्पी पर आक्रोश

टाउनशिप के मेंटेनेंस हेड नीरज शर्मा और उनकी टीम पर निवासियों ने 'असंवेदनशील रवैया' अपनाने का आरोप लगाया है। जनसुनवाई और जिला प्रशासन को दी गई लिखित शिकायतों में निवासियों ने कहा है कि बार-बार ध्यानाकर्षण के बावजूद समाधान के बजाय केवल आश्वासन मिल रहे हैं। "यह खबर निवासियों द्वारा दी गई जानकारी और शिकायतों पर आधारित है।"

परम पूज्य माता श्री श्रीमती प्रेमलता बाई मगनलालजी जैन को श्रद्धांजलि स्वरूप

आशीष सदा रहे

चल दिये वो मसीहा जीवन नैया को
अपनी छोड़कर,
नहीं टूटे कभी परिवार,ऐसा ही जोड़
सबमें जोड़कर...
विधि का विधान है साश्वत,
जो आया है,उसको तो जाना ही है,
जाने से पहले ममता बिखेरी,
बहुत प्यार दिया,
उन्होंने पुरा पुरा प्यार दिया,
फिर भी न जाने क्यों लगता हैं,
कुछ कुछ ही नहीं,
बहुत कुछ रह गया हो बाकी,
जिम्मेदारीयों को बखूबी निभाया
उनहोने,
नहीं कुछ भी छोड़ा मुख अपना
मोड़कर,
चल दिये वो मसीहा जीवन नैया अपनी
छोड़कर...

उन्होंने हमे हँसना सिखाया,
मुस्कराना सिखाया,
जहाँ में रहना सिखाया,
रोक दिया कुछ भी गलत कहने पर,
रोक दिया कुछ भी गलत करने पर,
रोक दिया कुछ भी गलत सहने पर,
वो ही हमे कह कर गये,
रोना नहीं कभी भी मुझे यादकर,
चल दिये वो मसीहा,
जीवन नैया को अपनी छोड़कर...
संकट की घड़ी में हर पल साथ है वह,
उन पिता ने उंगली हमारी पकड़ रखी
है,
रोज बताते हमें आसमा में,
सितारों के बीच हमारी माँ को ढूंढकर..
हम उन्हे वो हमें गले लगाते,
नहीं देते रोने का मौका,
आसूं अपने रोककर, ...
माँ का आशीष सदा रहा है,
रहेगा जीवन भर
चल दिये वो मसीहा,
जीवन नैया को अपनी छोड़कर...
नहीं टूटे कभी परिवार,
ऐसा ही जोड़ सबमें जोड़कर..
विपिन जैन "श्रीजैन"

छात्रावास के राशन में 'हेराफेरी' की बू, सरकारी गेहूं की सील खोलते पकड़े जाने पर अधीक्षक के गोलमोल जवाब

अपने काम से हाथ धोने के डर से छात्रावास में काम करने वाला स्टॉप चुप

महेन्द्र मालवीय रणजीत टाईम्स

तुकईथड़ (बुरहानपुर): जनपद पंचायत खकनार अंतर्गत आने वाले ग्राम तुकईथड़ स्थित 'नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय बालिका छात्रावास' एक बार फिर चर्चा में है। मामला बालिकाओं के आहार के लिए आने वाले सरकारी राशन से जुड़ा है, जहाँ राशन के कट्टों को छात्रावास में उतारने के बजाय सुनसान स्थान पर ले जाकर उनकी सरकारी सील खोलने का संदिग्ध मामला सामने आया है।

क्या है पूरा मामला?

मिली जानकारी के अनुसार, शासकीय उचित मूल्य दुकान से छात्रावास के लिए गेहूं और चावल का कोटा पिकअप वाहन के जरिए रवाना किया गया था। चश्मदीदों के मुताबिक, वाहन ने छात्रावास में केवल चावल के कट्टे उतारे और गेहूं के सील बंद कट्टों को लेकर वह छात्रावास से करीब 2-3 किलोमीटर दूर झिरमिटी रोड स्थित एक मकान के आंगन में पहुँच गया। वहाँ वाहन खड़ा कर गेहूं के कट्टों की सरकारी सिलाई (सील) खोली जा रही थी। इस बीच जब हलचल बढ़ी, तो छात्रावास अधीक्षक राजकुमारी सोनी के भाई ने मौके पर पहुँचकर स्थिति को संभाला और वाहन को वापस छात्रावास की ओर रवाना कर दिया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस प्रकार के कारनामे लम्बे समय से ये कर रहे हैं, बताया जा रहा है कि ये हॉस्टल में कार्यरत चौकीदार के साथ अपने कारनामों को अंजाम देते हैं ओर कोई भी स्टाफ में खाना बनाने वाली महिलाएं कुछ भी बताने से पीछे हटती है क्योंकि उन्हें डर है कि कही हमारे कुछ बोलने से उन्हें अपने काम से हाथ धोना पड़ सकता है यही कारण है कि सभी चुप्पी साधे हुए हैं ओर छात्रावास में कोई भी व्यक्ति इनके कारनामे उजागर करने की कोशिश करता है तो अधीक्षिका महोदय उन्हें झूठे केशो में फसाने की धमकियां देती है ये एक महिला होने का पूरा फायदा उठा रही हैं यह सब सुन कर ऐसा लगता है जैसे कुछ अधिकारियों ओर राजनीति सपोर्ट में ये सब कुछ हो रहा है।

जिम्मेदारों के बयानों में विरोधाभास

जब इस घटना को लेकर संबंधित पक्षों से बात की गई, तो चौंकाने वाले जवाब सामने आए

» **वाहन चालक (मुन्ना):** "मैडम ने कट्टे गाड़ी में डालकर अपने भाई के साथ जाने को कहा था। मुझे नहीं पता था कि राशन कहाँ और क्यों ले जाया जा रहा है।"

» **छात्रावास अधीक्षक (राजकुमारी सोनी):** उन्होंने आरोपों को टालते हुए तर्क दिया कि गेहूं में 'घुन, मेंढक और छिपकली' जैसे जीव निकलते हैं, इसलिए गाड़ी को दूर भेजकर सफाई करवाई जा रही थी।

» **सेल्समैन (अर्चना दीक्षित):** उचित मूल्य दुकान की सेल्समैन ने अधीक्षक के दावे को सिरे से नकारते हुए कहा कि सरकारी राशन के कट्टे पूरी तरह सिलाई बंद और पैक होते हैं, जिनमें बाहरी जीवों का घुसना मुमकिन नहीं है।

गंभीर सवालः सफाई खेत में क्यों?

स्थानीय लोगों और अभिभावकों में इस बात को लेकर आक्रोश है कि यदि राशन में कोई समस्या थी, तो उसे छात्रावास परिसर में ही जांचने के बजाय 3 किलोमीटर दूर एकांत में ले जाने की क्या आवश्यकता थी? जबकि यह बालिका छात्रावास पहले ही गांव से बाहर श्मशान घाट के पास है और चारों तरफ खेत सटे हुए हैं ओर महाशय जी विपरीत दिशा में ही क्यों सरकारी सील को गुपचुप तरीके से खोलना सीधे तौर पर राशन की कालाबाजारी या सामग्री में बदलाव की आशंका को जन्म देता है।

» **प्रशासन से मांगः** क्या आदिवासी बालिकाओं के निवाले पर डाका डाला जा रहा है? वरिष्ठ अधिकारियों को इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

पत्रकार को झूठे केस में फंसाने की धमकी

इस घटना को जिस पत्रकार ने कवरेज किया है उसे अधीक्षिका द्वारा उसे डराने धमकाने और झूठे केस में फसाने की बात कही। देखते है शासन इस विषय पर क्या जांच करता है।

सीईओ जिला पंचायत द्वारा समय-सीमा पत्रों की हुई समीक्षा

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति की उपस्थिति में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। सीईओ जिला पंचायत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में 100 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण निराकरण

सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निराकरण केवल औपचारिक न होकर संतोषजनक एवं उच्च गुणवत्ता का होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की नियमित मॉनिटरिंग जिला स्तरीय अधिकारी स्वयं करें तथा शिकायतों के निराकरण से संबंधित जवाब एल-1 अधिकारियों के माध्यम से अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी शिकायत अनअटेंडेड न रहे, इसके लिए मैदानी अमले को भी दायित्व सौंपा जाए। साथ ही जिन विभागों में शिकायतों की संख्या कम है, वहां शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री प्रजापति ने संकल्प से समाधान अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के तहत नियमित शिविरों का आयोजन किया जाए तथा शिविरों में प्राप्त आवेदनों का शत-प्रतिशत समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, सुश्री अर्चना मिश्रा, श्रीमती गैलेक्सी नागपुरे सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जवाहर टेकरी पर गूंजा हिंदू एकता का स्वर

आदित्य शर्मा

धर्म, संस्कृति और राष्ट्रहित के संकल्प के साथ हुआ भव्य हिंदू सम्मेलन

इंदौर। धार रोड स्थित जवाहर टेकरी पर रविवार को एक भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में संत-महात्मा, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं हिंदू संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करना, सनातन संस्कृति की रक्षा करना तथा राष्ट्रहित में एकजुटता का संदेश देना रहा। सम्मेलन स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का आगमन प्रारंभ हो गया था। भगवा ध्वज, धार्मिक नारों और मंत्रोच्चार के साथ संपूर्ण क्षेत्र हिंदू चेतना और सांस्कृतिक ऊर्जा से ओतप्रोत नजर आया। आयोजन में युवाओं, महिलाओं एवं बुजुर्गों की सहभागिता विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात संतों एवं वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हिंदू समाज की एकता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है, और वर्तमान समय में धर्म, संस्कृति एवं परंपराओं की रक्षा हेतु संगठित प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं।

सम्मेलन में नारायण चौहान (सरपंच), दिलीप जी पटेल (जिला पंचायत सदस्य), लेखराज जी गेहलोत, गोपाल जी चौधरी, बैरागी जी, गुड्डू जी, देवनारायण जी पवार सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। साथ ही समस्त हिंदू जनता की सहभागिता ने आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। वक्ताओं ने धर्मांतरण, लव जिहाद, गौ-रक्षा, मंदिरों की स्वायत्तता तथा भारतीय संस्कृति के संरक्षण जैसे विषयों पर विस्तार से विचार रखे। युवाओं से आह्वान किया गया कि वे नशा, भटकाव और कुप्रभावों से दूर रहकर संस्कारवान, राष्ट्रवादी और धर्मनिष्ठ जीवन अपनाएं।

संत-महात्माओं ने कहा कि सनातन धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक सम्पूर्ण, वैज्ञानिक एवं नैतिक व्यवस्था है, जिसे बचाने के लिए विचारों के साथ-साथ आचरण में भी उतारना आवश्यक है। कार्यक्रम में उपस्थित हिंदू संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने, सेवा, शिक्षा एवं सुरक्षा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। साथ ही यह निर्णय भी लिया गया कि भविष्य में इस प्रकार के आयोजन निरंतर किए जाएंगे। सम्मेलन के अंत में राष्ट्र, धर्म और समाज की रक्षा हेतु सामूहिक संकल्प लिया गया तथा आयोजकों द्वारा सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया गया। जवाहर टेकरी पर आयोजित यह हिंदू सम्मेलन हिंदू समाज की एकता, चेतना और संगठन शक्ति का सशक्त प्रतीक बनकर उभरा।

पुलिस कमिश्नर इंदौर द्वारा किया गया विशेष हेलमेट प्रतिकृति का अनावरण

आदित्य शर्मा

इंदौर शहर के यातायात को सुगम, सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त, नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर के सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (यातायात/जोन 4) श्री आनंद कलादगी के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी क्रम में सड़क सुरक्षा के प्रति जनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस, इंदौर द्वारा तैयार की गई विशेष हेलमेट प्रतिकृति का आज पुलिस आयुक्त, नगरीय इन्दौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा अनावरण किया गया। इस अवसर पर अति पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री आर.के.सिंह, पुलिस उपायुक्त यातायात प्रबंधन नगरीय इंदौर श्री आनंद कलादगी, अति पुलिस उपायुक्तगण, सहायक पुलिस उपायुक्तगण सहित अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

यह हेलमेट प्रतिकृति हेलमेट की उपयोगिता एवं जीवन रक्षा के सशक्त

संदेश को प्रभावी रूप से आम नागरिकों तक पहुँचाने का प्रतीक है। इस अनोखी प्रतिकृति को लोहे तथा वाहनों के विभिन्न पुराने पार्ट्स जैसे गियर, डिस्क, स्प्रिंग, टायर, हेडलाइट सहित अन्य स्क्रैप मटीरियल से तैयार किया गया है। सामान्यतः कबाड़ समझे जाने वाले इन सामानों को नया और कलात्मक रूप देकर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया है। पुलिस आयुक्त महोदय ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के नवाचार आमजन को आकर्षित करते हैं और सड़क सुरक्षा जैसे गंभीर विषय को सरल व प्रभावी ढंग से समझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ''हम लोगो को हेलमेट पहनने के महत्व के बारे मे जागरुक करना चाहते हैं। स्क्रैप से बनी इस हेलमेट की प्रतिकृति के माध्यम से, हम लोगों को यह संदेश देना चाहते हैं कि हेलमेट पहनना कितना जरूरी है।'' तथा इस दौरान बताया कि हेलमेट पहनने से सड़क दुर्घटनाओं मे होने वाली मौतो को कम किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि वे हेलमेट पहनने की आदत डालें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। यातायात पुलिस, इंदौर द्वारा भविष्य में भी सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु इस प्रकार के रचनात्मक और प्रभावी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

एसडीओपी पिछोर श्री प्रशांत शर्मा द्वारा रात्रि के समय थाना खनियधना पहुंचकर थाने का औचक निरीक्षण किया एवं रात्रि गस्त मे लगे बल को चैक किया

दीपक परमार

थाने के महत्वपूर्ण रजिस्टरों को चैक करते हुये की जा रही कार्यवाहियों के संबंध मे निर्देश दिये। रात्रि के समय पुलिस गस्त अपराधों की रोकथाम एवं अपराधियों व अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण व कार्यवाही करने हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसी तारतम्य में पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में दिनांक 31.01.2026 व 01.02.2026 की रात्रि मे एसडीओपी पिछोर श्री प्रशांत शर्मा द्वारा थाना खनियधना का औचक निरीक्षण किया। एसडीओपी पिछोर द्वारा रात्रि गस्त को चैक करते हुये थाने का औचक निरीक्षण कर निम्न बिंदुओं पर दिशा निर्देश दिये।

1. रात्रि ड्यूटी में प्रआर नरेंद्र पाल उपस्थित मिले एवं बुलाने पर थाना प्रभारी निरीक्षक केदार यादव थाना उपस्थित हुए।
2. थाने की हवालात में 01 आरोपी बंद पाया गया।
3. थाने के महत्वपूर्ण रजिस्टर चैक कर आवश्यक टीप अंकित की गयी।
4. रात्रि गश्त में लगे बल को सतर्कता से गश्त करने के निर्देश दिए गए।
5. थाना परिसर का भ्रमण कर साफ सफाई का जायजा लिया।
6. थाने पर लंबित गिरफ्तारी एवं जमानती वारंटों की अधिक से अधिक वारंट तामीली के लिये निर्देशित किया।
7. अवैध गतिविधियों मे संलिप्त लोगों पर कार्यवाही के लिये निर्देशित किया गया।
8. थाने के सभी सीसीटीव्ही कैमरे चालू पाये गये।

थाना खजराना पुलिस की विवेचना में हत्या के आरोपी को मिली आजीवन कारावास की सजा

रणजीत टाइम्स

इंदौर- दिनांक 30/08/2024 को थाना खजराना पर सूचना प्राप्त हुई कि खजराना गणेश मंदिर के पीछे पुरानी पार्किंग के पास पानी की होदी में एक बालिका का शव मिला हे जिस पर से थाना खजराना पर मर्ग क्रमांक 62/2024 धारा 194 बीएनएस का मर्ग कायम किया जाकर ज्ञात हुआ कि उक्त मृतिका बालिका का नाम आरती हे तत्पश्चात श्रीमान थाना प्रभारी द्वारा तुरंत 01 टीम गठित कर उक्त अज्ञात आरोपी को ज्ञात करने हेतु लगाया गया जाकर मुखबिरी सूचना एवं सैकड़ों फुटेज खंगालने के पश्चात ज्ञात हुआ कि बालिका के पिता कालू उर्फ शेरू पिता इस्माईल खान निवासी खजराना द्वारा दिनांक 29/08/2024 की रात्रि 22.00 बजे के करीब बालिका को गोद में लेकर पानी से भरे हौज में जाते देखा हे एवं बालिका को डुबाने की घटना को अंजाम दिया गया हे तत्पश्चात आरोपी कालू उर्फ शेरू के खिलाफ थाना खजराना में अपराध क्रमांक 702/24 धारा 103(1) का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए श्रीमान पुलिस आयुक्त महोदय श्री संतोष सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त महोदय श्री अमित सिंह द्वारा प्रकरण में प्राथमिकता पर कार्यवाही के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए थे। जिसके तारतम्य में श्रीमान पुलिस उपायुक्त महोदय जोन-2 श्री कुमार प्रतीक एवं अति.पुलिस उपायुक्त जोन-2 श्री अमरेंद्र सिंह एवं श्रीमान सहायक पुलिस आयुक्त महोदय श्री कुंदन मंडलोई के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी महोदय खजराना मनोज सिंह सेंधव को उक्त प्रकरण में प्राथमिकता के आधार पर प्रभावी कार्यवाही के लिए दिशा निर्देश दिए

एवं लगातार मॉनिटरिंग की गई। विवेचना के दौरान से ही श्रीमान थाना प्रभारी महोदय खजराना द्वारा तुरंत 01 टीम गठित कर आरोपी कालू उर्फ शेरू को राउंडअप कर गिरफ्तार करने हेतु लगाया गया। इसी दौरान मुखबिरी सूचना तंत्र एवं पुलिस के अथक प्रयासों से आरोपी को राउंडअप कर विधिवत गिरफ्तार किया जाकर अभियुक्त कालू उर्फ शेरू पिता इस्माइल खान को न्यायालय समक्ष प्रस्तुत किया जाकर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। प्रकरण की गंभीरता व संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए उक्त प्रकरण को पुलिस उपायुक्त महोदय जिला इंदौर द्वारा जघन्य सनसनी खेज गंभीर अपराध की श्रेणी में चिन्हित किया जाकर प्रकरण के विवेचक उप निरीक्षक संदीप पटेल द्वारा अनुसंधान पूर्ण कर अभियुक्त के विरुद्ध अभियोग पत्र माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण के जघन्य सनसनीखेज गंभीर अपराध की श्रेणी में होने से चिन्हित प्रकरण के न्यायालय में ट्रायल के दौरान साक्षीगणो के अभियोजन पक्ष में बयान कराए गए जिस पर से माननीय न्यायालय के द्वारा अभियुक्त कालू उर्फ शेरू को आज दिनांक 22/01/2026 को आजीवन कारावास एवं 1000 रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया है।

आरोपी का नाम

कालू उर्फ शेरू पिता इस्माइल खान निवासी खजराना गणेश मंदिर के पीछे, पुराना पार्किंग स्टैंड खजराना इंदौर (म. प्र.) उक्त कार्यवाही में निरीक्षक मनोज सिंह सेंधव, उनि. संदीप पटेल, सउनि गणेश मुजाल्दे, प्रआर. अजित यादव, आर. उत्तम, शुभम सिंह, राजेंद्र किराड़े एवं प्रदीप सूर्यवंशी की सराहनीय भूमिका रही।

बुनियाद सुविधाएं देने में भी असफल है डीन मुथा

मेडिकल कॉलेज में दो वर्षों से जल संकट, छात्रों की आवाज़ दबाई जा रही!

रणजीत टाइम्स

डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडेय शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में पिछले दो वर्षों से व्याप्त जल संकट ने संस्थान की गंभीर प्रशासनिक विफलता को उजागर कर दिया है। कॉलेज के बॉयज़ हॉस्टल, गर्ल्स हॉस्टल, पीजी हॉस्टल तथा अकादमिक ब्लॉक—इनमें से किसी भी स्थान पर आज की तारीख में स्वच्छ पेयजल का एक भी भरोसेमंद स्रोत उपलब्ध नहीं है। 900 से अधिक एमबीबीएस छात्र, लगभग 100 स्नातकोत्तर छात्र तथा परिसर में निवास करने वाले रेज़िडेंट्स इस संकट से प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हैं। छात्रों के अनुसार, कॉलेज परिसर में स्थापित वाटर कूलर पिछले दो वर्षों से अधिकांशतः गैर-कार्यशील हैं और पानी की आपूर्ति अत्यंत असंतोषजनक एवं अनियमित बनी हुई है। मजबूरी में बाहर से मंगवाया जा रहा पानी भी गुणवत्ता मानकों पर खरा नहीं उतरता। इसके बावजूद, बार-बार शिकायतें किए जाने और प्रशासन व डीन को अवगत कराने के बाद भी अब तक कोई स्थायी या ठोस समाधान नहीं किया गया। यह स्थिति डीन की स्पष्ट नाकामयाबी, लापरवाही और गैर-जिम्मेदार रवैये को दर्शाती है। यदि छात्र बाहर से लाया गया पानी पीने के कारण बीमार पड़ते हैं, तो इसकी नैतिक, प्रशासनिक और कानूनी ज़िम्मेदारी आखिर किसकी होगी—यह एक गंभीर प्रश्न है।

स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि छात्र अपनी बुनियादी आवश्यकताओं को लेकर भी खुलकर बोलने में असमर्थ हैं। डीन के विरुद्ध आवाज़ उठाने का भय इतना गहरा है कि छात्र प्रतिनिधित्व, संवाद और शिकायत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया लगभग दबा दी गई है। डर के इस माहौल में छात्रों के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़े मुद्दे भी अनसुने किए जा रहे हैं। जल संकट के साथ-साथ महाविद्यालय और संबद्ध अस्पताल की कैंटीन सेवाओं की स्थिति भी अत्यंत चिंताजनक और खतरनाक होती जा रही है। छात्रों और रेज़िडेंट्स के अनुसार, कॉलेज कैंटीन की गुणवत्ता जुलाई 2024 के बाद से लगातार गिरती चली गई है। भोजन की गुणवत्ता असंतोषजनक है और अनेक अस्वच्छ व असुरक्षित खाद्य प्रथाएँ सामने आ रही हैं। अत्यंत गंभीर तथ्य यह है कि कैंटीन के किचन के ठीक पास एक खुली सीवर लाइन बह रही है, जिसमें लगातार लीकेज हो रहा है। यह स्थान मक्खियों और गंदगी का केंद्र बन चुका है, जो संक्रामक रोगों को फैलाने का एक खुला निमंत्रण है। यह स्थिति किसी भी समय बड़े स्वास्थ्य संकट में बदल सकती है। इसके बावजूद, डीन और प्रशासन द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई न किया जाना उनकी गैर-जिम्मेदार निगरानी और प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है।

विशेष चिंता का विषय यह भी है कि महाविद्यालय में अध्ययनरत अनेक छात्र ग्रामीण, आदिवासी एवं आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आते हैं, जो पहले से ही महँगी चिकित्सा शिक्षा, भोजन और पानी की बढ़ती लागत का बोझ उठा रहे हैं। ऐसे छात्रों को स्वच्छ पेयजल और सुरक्षित भोजन जैसी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध न कराना न केवल प्रशासनिक विफलता है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं और संस्थागत दायित्वों के भी पूर्णतः विपरीत है।

नवागत कलेक्टर ने किया पदभार ग्रहण

गोलू यादव

नवागत कलेक्टर साकेत मालवीय ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट अशोकनगर पहुंचकर 22 वें अशोकनगर कलेक्टर के पद पर पदभार ग्रहण किया। मालवीय 2014 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। मालवीय इसके पूर्व संचालक कर्मचारी चयन मण्डल मध्यप्रदेश भोपाल में पदस्थ थे। साथ ही सीधी कलेक्टर,मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिंगरौली में पदस्थ रहे। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मोहरी राजेश जैन, अपर कलेक्टर डी.एन.सिंह, संयुक्त कलेक्टर आर.बी.सिण्डोस्कर,एसडीएम अशोकनगर श्रीमती शुभ्रता त्रिपाठी,ईसागढ़ एसडीएम त्रिलोचन गौड़,चंदेरी एसडीएम मनीष धनगर उपस्थित रहे।

उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में नार्थ एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक का शुभारंभ

इंदौर। उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में स्थित नार्थ एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक का उद्घाटन मुख्य अतिथि मुख्य न्यायाधिपति उच्च न्यायालय जबलपुर श्री संजीव सचदेवा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर के प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री विजय कुमार शुक्ला द्वारा की गयी। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में उच्च न्यायालय खंडपीठ के समस्त न्यायाधिपतिगण, उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के पदाधिकारीगण, वरिष्ठ अधिवक्तागण, कलेक्टर, नगर निगम कमिश्नर, उच्च न्यायालय के कर्मचारीगण एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सूने मकान में लाखों रुपए मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात चोरी की वारदात का हुआ खुलासा

शातिर नकबजन 24 घंटे के भीतर पुलिस थाना आज़ाद नगर की गिरफ्त में

आरोपी से चोरी किया मश्रुका 8,37,000/- मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण जप्त

इंदौर - पुलिस थाना आज़ाद नगर पुलिस को चोरी की एक बड़ी घटना के खुलासे में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। थाना क्षेत्र अंतर्गत हुसैनी चौक, आज़ाद नगर में निवासरत एक दंपति द्वारा दिनांक 27.01.2026 को सूचना दी गई थी कि वे पारिवारिक शादी समारोह में शामिल होने हेतु घर में ताला लगाकर बाहर गए थे। इसी दौरान अज्ञात आरोपी ने मकान का ताला तोड़कर घर में रखे सोने-चांदी के कीमती आभूषण चोरी कर लिए। शहर में चोरी/नकबजनी की वारदातों पर अंकुश लगाने हेतु पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा दिए निर्देशों के अनुक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह एवं पुलिस उपायुक्त जोन 1 इंदौर श्री कृष्ण लालचंदानी के मार्गदर्शन में उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए, थाना प्रभारी आज़ाद नगर द्वारा तत्काल पुलिस टीम का गठन कर लगाया गया।

टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए अपराध क्रमांक 45/2026, धारा 305(ए), 331(4) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर शानू उर्फ शाहनवाज़ खान उम्र 23 वर्ष, निवासी हुसैनी चौक, आज़ाद नगर इंदौर को पकड़ा। पूछताछ के दौरान आरोपी ने उक्त चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया, जिससे चोरी किया मश्रुका जप्त किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है, तथा अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है।

जप्त मश्रुका

- एक सोने का रानी हार
- एक जोड़ सोने के झुमके
- एक सोने की चेन
- एक सोने का पेंडेंट
- एक जोड़ चांदी की पायल
- 10 नग चांदी की बिछिया

एक चांदी की चेन, कुल मश्रुका 8,37,000/- मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण जप्त किए गए हैं।

सराहनीय भूमिकाः इस सफल कार्यवाही में थाना प्रभारी, आज़ाद नगर निरीक्षक लोकेश सिंह भदौरिया सउनि. मनोज कुमार दुबे एवं प्रधान आरक्षक नागेंद्र सिंह की अहम भूमिका रही।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन 22 सेक्टर एफ सांवेर रोड, इण्डस्ट्रीयल एरिया इंदौर म.प्र. एवं जी -1 कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित संपादक गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)